

भारत का दूतावास
अश्गाबात

हिंदी दिवस, 14 सितंबर 2026 के अवसर पर राजदूत का संबोधन

तुर्कमेनिस्तान की उप विदेश मंत्री श्रीमती म्याहरी ब्याशिमोवा,

भारतीय समुदाय के सदस्यगण,

देवियो और सज्जनो,

नमस्ते, Gününüz haýyrly bolsun!

हिंदी दिवस – 2026 के समारोह में आप सभी का स्वागत करना मेरे लिए हर्ष का विषय है। उप विदेश मंत्री महोदया के प्रति, आज के कार्यक्रम में उनके सहयोग और उपस्थिति के लिए, मैं हृदय से आभारी हूँ।

14 सितंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में अपनाए जाने की स्मृति में हम प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं। 60 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बोली जानेवाली हिंदी, विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि “भारत की आत्मा” और उसकी समृद्ध संस्कृति को संप्रेषित करने का एक जीवंत माध्यम है। अन्य भारतीय भाषाओं की सखी के रूप में हिंदी, भारत की अनेक स्थानीय भाषाओं के बीच एक स्वाभाविक सेतु का कार्य करती है। अपनी सरलता, सहजता और समृद्ध साहित्यिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध हिंदी विश्व भर में, विशेषकर उन देशों में जहाँ बड़ी संख्या में

भारतीय प्रवासी बसे हैं, निरंतर लोकप्रियता प्राप्त कर रही है। मुझे यह जानकारी प्रसन्नता है कि अश्गाबात स्थित आज़ादी विश्व भाषा संस्थान के हिंदी विभाग में 40 से अधिक विद्यार्थी हैं और हाल के वर्षों में उनमें से कई ने आगरा स्थित केंद्रीय हिंदी संस्थान में हिंदी भाषा का अध्ययन किया है। तुर्कमेनिस्तान में हिंदी भाषा के अध्ययन को और सुदृढ़ करने के लिए दूतावास, तुर्कमेनिस्तान सरकार के साथ घनिष्ठ सहयोग से कार्य करेगा।

अपनी बात समाप्त करते हुए, मैं इस बात की पुष्टि करना चाहूँगा कि एक पुराने मित्र और “विस्तारित पड़ोस” के एक साथी विकासशील देश के रूप में, भारत तुर्कमेनिस्तान की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप अपने विकास संबंधी अनुभव साझा करता रहेगा। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति तथा तुर्कमेन जनता के राष्ट्रीय नेता के कुशल मार्गदर्शन में भारत-तुर्कमेनिस्तान साझेदारी आने वाले दिनों में उत्तरोत्तर सुदृढ़ होती जाएगी। हिंदी दिवस-2026 के उपलक्ष्य में आयोजित आज के इस विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आप सभी का एक बार फिर धन्यवाद। *Sag boluň!*
